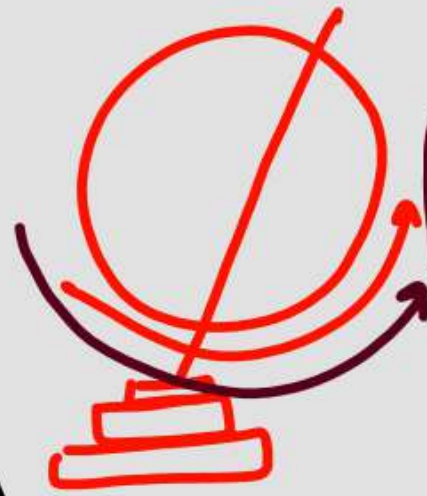
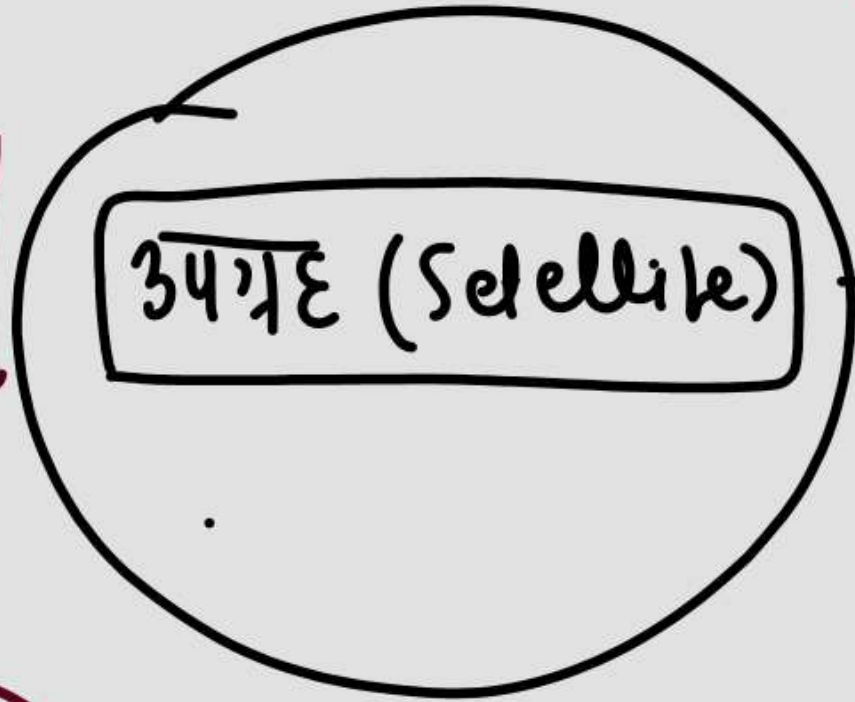


$$R \uparrow \quad g \downarrow$$

चिज्या ↑ गुरुत्वीय
त्वाक

Phy

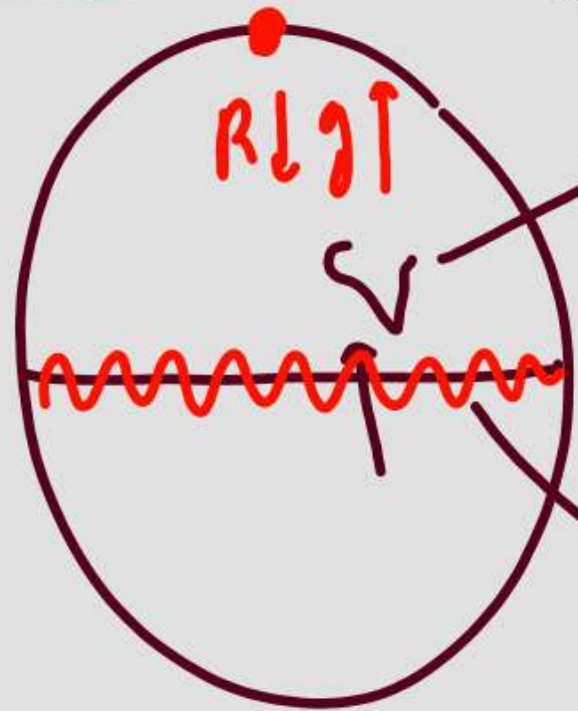
$$g = \frac{1}{R^2}$$



पश्चिम से पूर्व

W to E

उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र (Launch Pad)



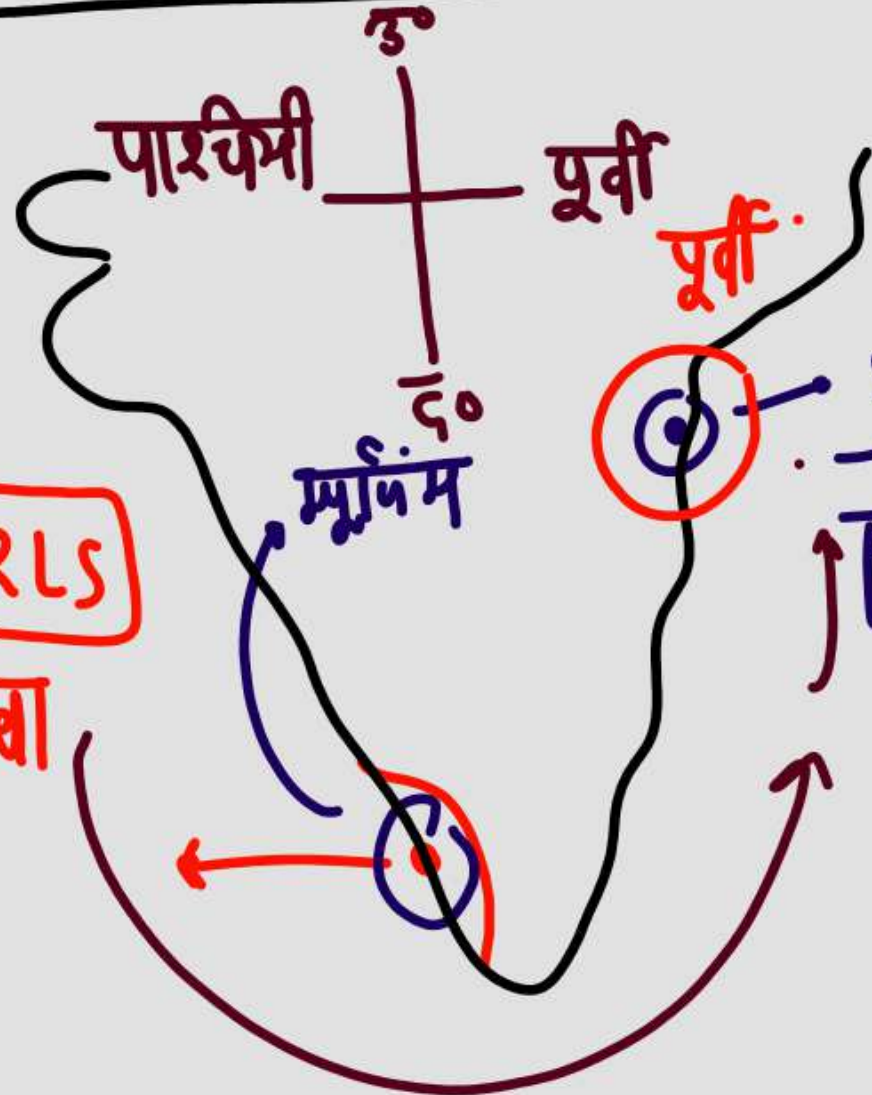
India → भूमध्य रेखा पास

भूमध्य रेखा

$R \uparrow \quad g \downarrow$ (भूमध्य रेखा पर का मान सबसे कम)

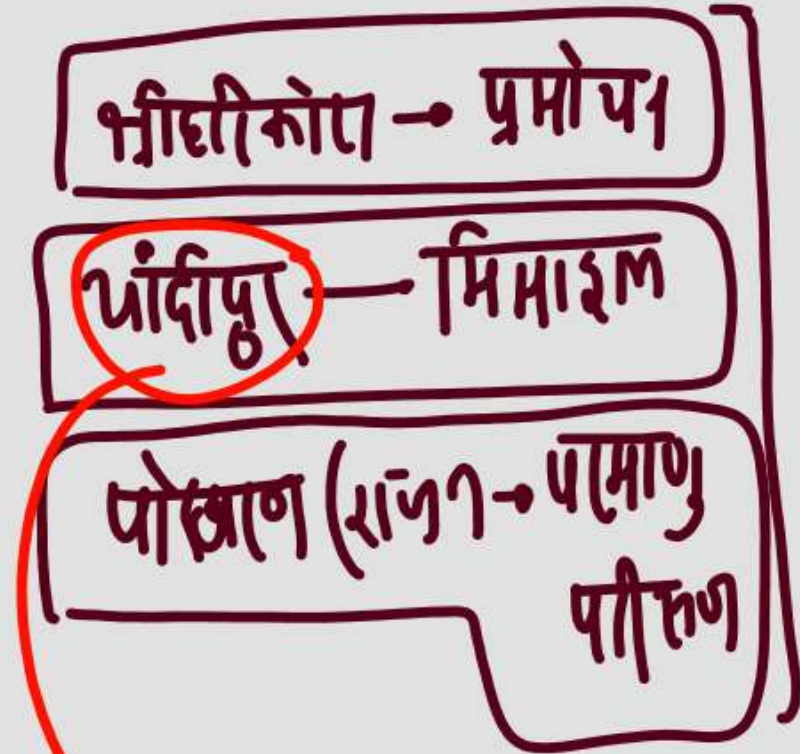
TERLS

धुम्बा



(AP)
भी हरिद्वार
सर्वाधिक धारा स्थान
में
SDSC
L-R1/R2

प्रक्षेपण केंद्र (Launch Center) $\Rightarrow$ चुनने का आधार



रिहायशी (पारेली)

प्रमोचन

10 Kms

Short time
विस्थापित

① यह सदैव रिहायशी क्षेत्र | मजबूत बसावर से दूर होना चाहिए।

② प्रक्षेपण प्रल — पूर्वी छोर पर होना चाहिए क्योंकि
पूज्य पार्श्वम से पूर्व धूमनी दे।

③ भूमध्य रेखा के आस पास प्रल होना चाहिए
क्योंकि यहाँ ④ का मात्र कम
होल है। ✓

① 1971 में प्रथम- प्रक्षेपण केन्द्र (Launch complex) → आंध्र प्रदेश (श्री धर्मपुरा) में

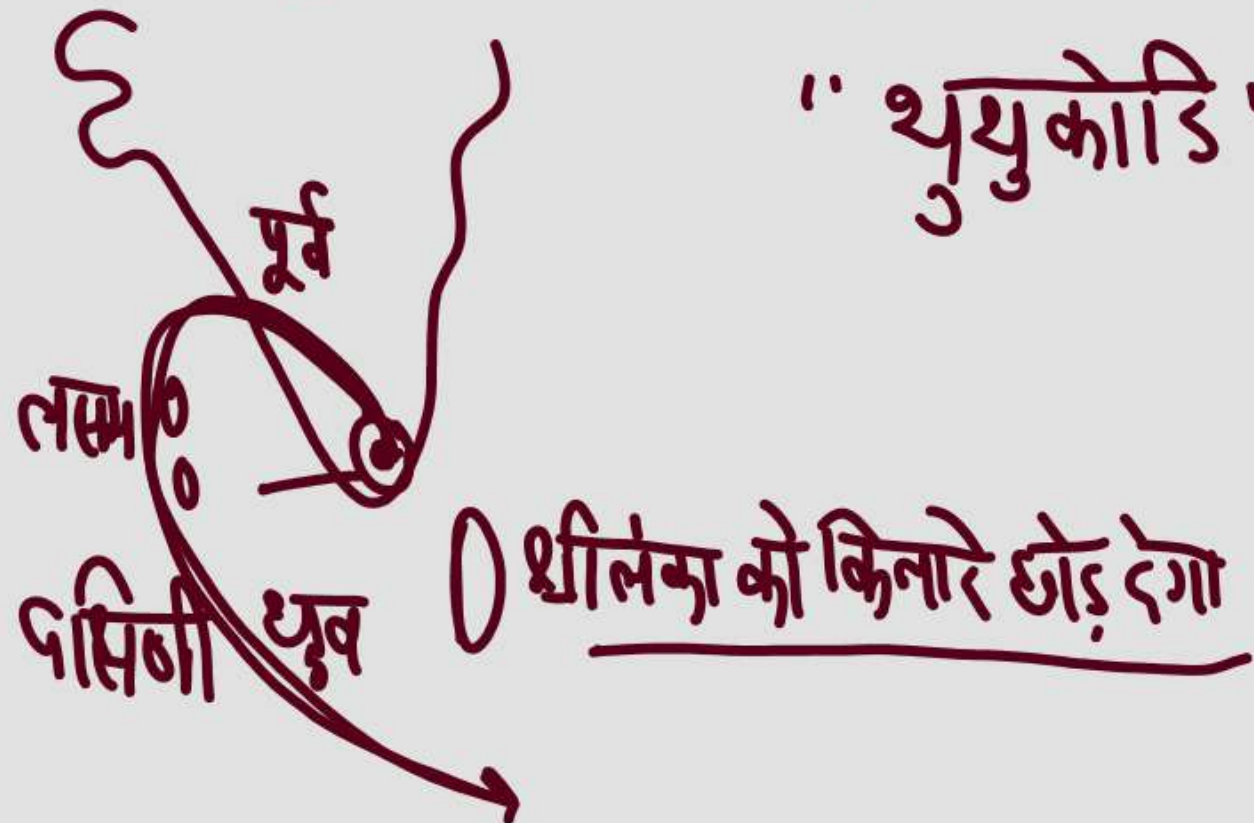
स्थापित किया गया जहां दो सक्रिय लांच पैड बनाए गए हैं।

PSLV/ASLV → Launch Vehicle

"थुथुकोडि" तमिलनाडु

② भारत का दूसरा प्रक्षेपण स्थल → तमिलनाडु के → कुलसेरिपट्टन में

"थुथुकोडि" नामक स्थान पर बन रहा है। SSLV के समर्पण

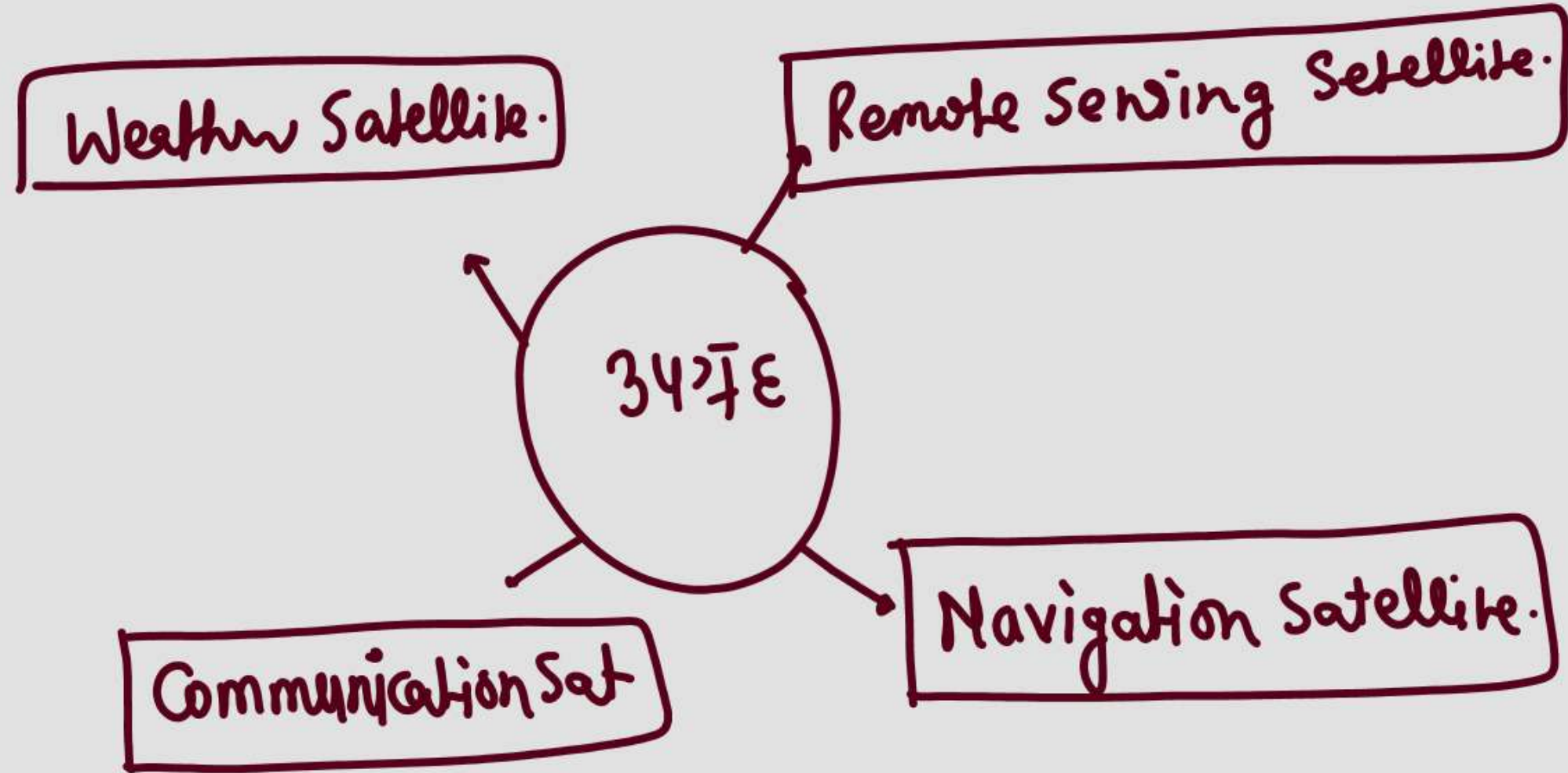


Note: वेंकानूर कास्मोड्रोम (कजाकिस्तान) — विश्व का एकमात्र Launch Pad जो पश्चिमी धोर पर बना है तथा रूस के नियंत्रण में है।

50 साल
हम बीज

आर्यभट्ट उपग्रह भेजा गया

1961 -> यूरी गागारिन उड़ान भरी.



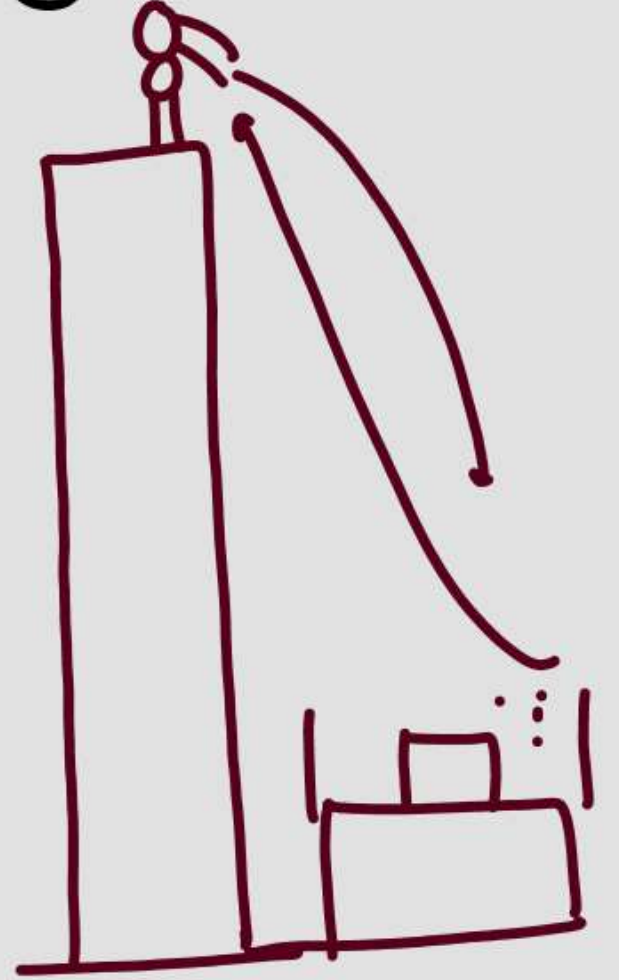
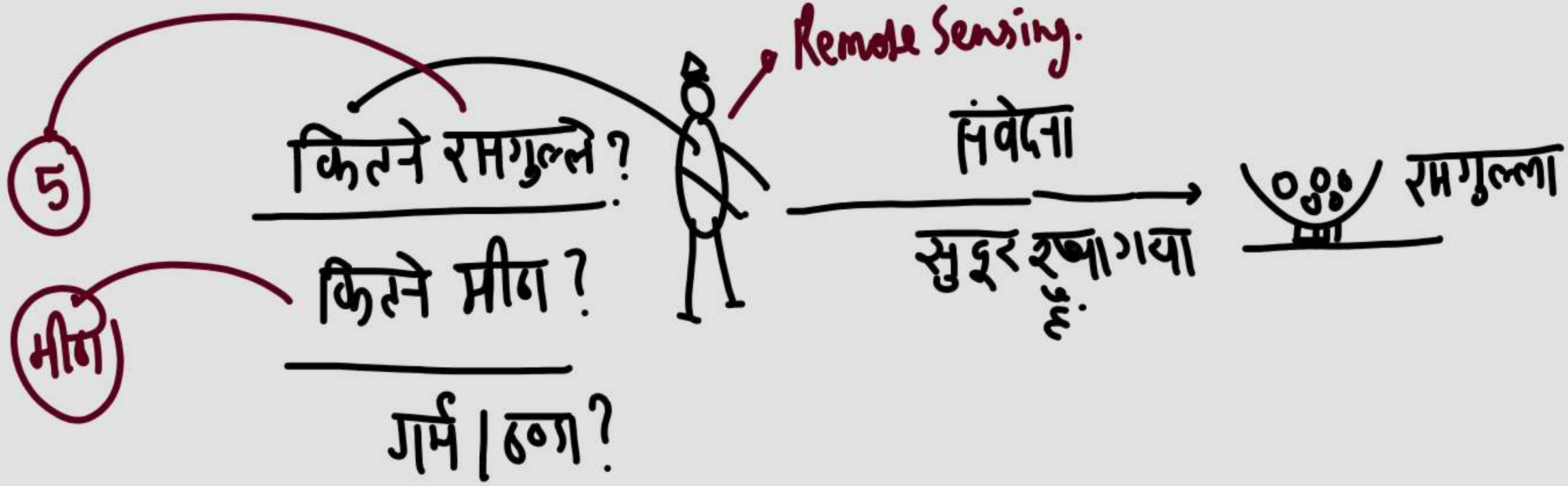
① Remote Sensing Satellite. (सुदूर संवेदी उपग्रह) ७

MR → सुदूर संवेदना क्या है, भारतीय सुदूर संवेदी उपग्रह तंत्र को समझाते हुए, वर्तमान
इनकी अलग-अलग क्षेत्रों में क्या उपयोगिता है।

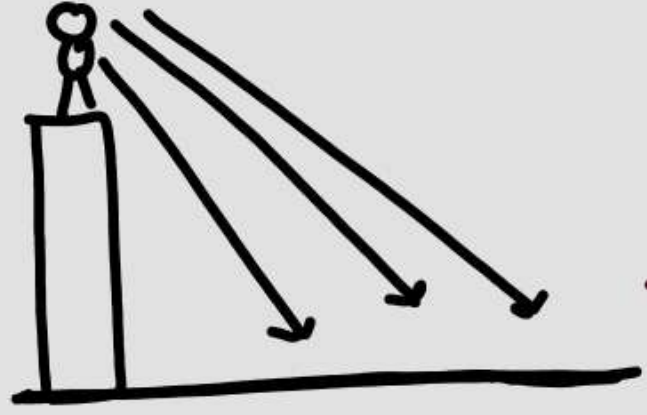
१५० शब्दों

①

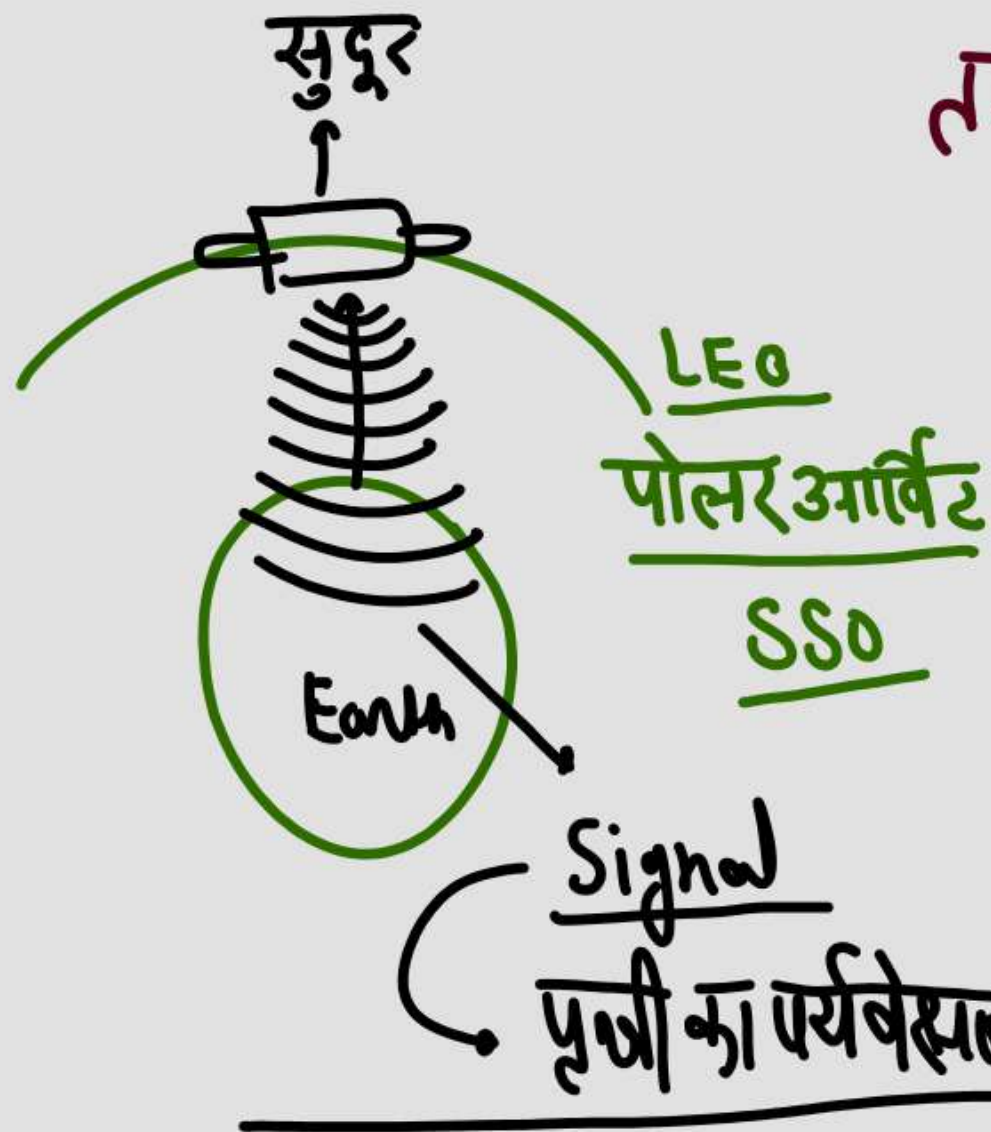
Remote Sensing (सुदूर संवेदना) : सामान्य परिचय



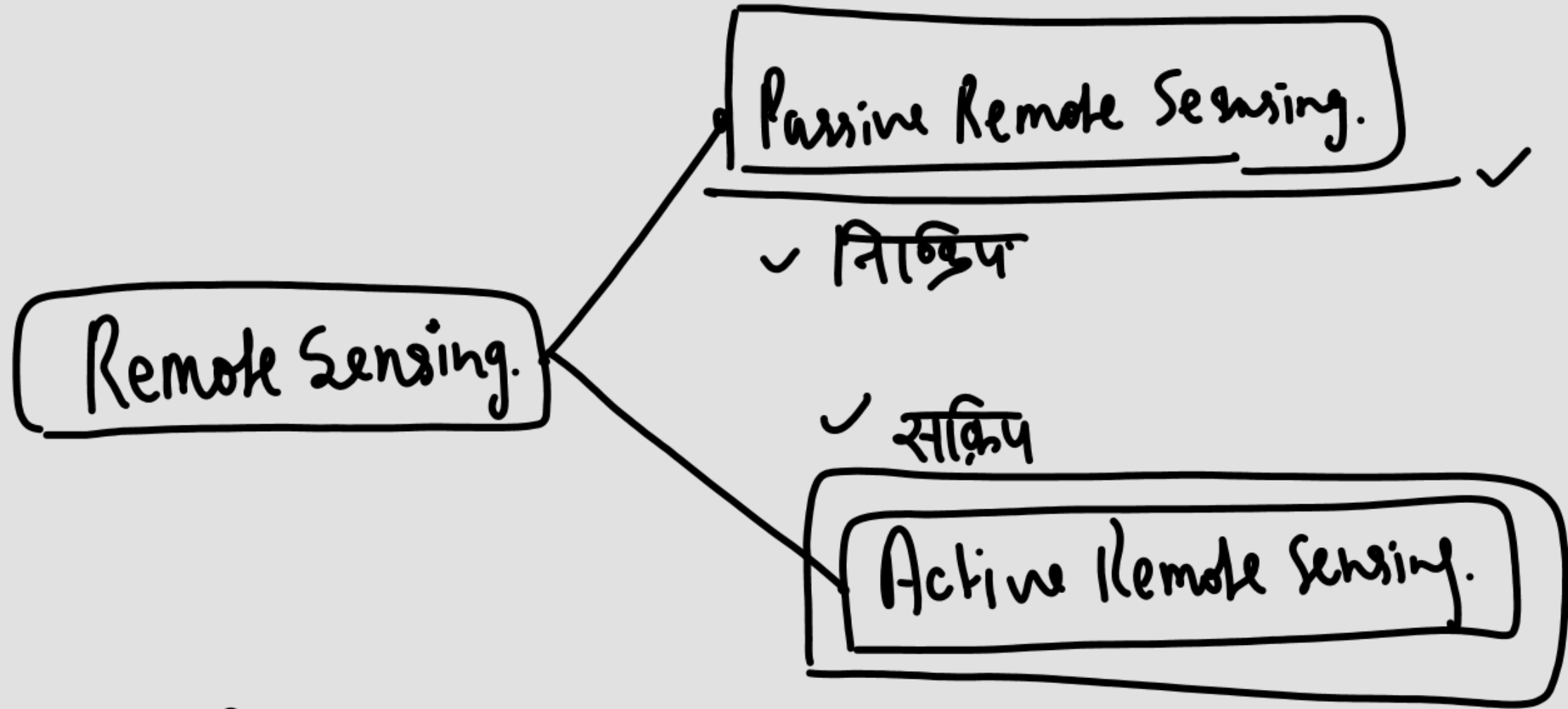
① Physical Disturbance / Dam. / Chemical



सुदूर रचना — किसी वस्तु की रासायनिक व भौतिक जानकारी प्राप्त करना ही सुदूर संवेदन कहलाती है।



तथा वह उपग्रह जो इन क्षमता के साथ बनाए जाते हैं उन्हें ही सुदूर संवेदी उपग्रह कहा जाता है। इन उपग्रहों के साथ - कैमरा तथा अलग-अलग मैट्रिक्स लगाए गये होते हैं तथा जब यह पूरी क्षमता में पृथ्वी की निचली कक्षा (LEO) में स्थापित किए जाते हैं और कार्य प्रणाली सम्पन्न करते हैं तो यही व्यवस्था सुदूर संवेदन प्रणाली कहलाती है।



✓ Note: जब सूर्य प्रकाश के परावर्तन (Reflection) के आधार पर Remote Sensing होती है तो Passive Remote Sensing (Sun light के साथ ही काम करेगा) ✓

✓ Note: Active Remote Sensing - Radio Wave / Microwave पर आधारित है इसीलिए day and Night Sensing कर सकती है

જાત્ર : સુદ્ધ સંવેદના

